REET Hindi Language Top 50 Questions PDF

निर्देश (direction): निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसमें से पूछे गए **(प्रश्न 1 - 5)** का सही विकल्प चुनिए -

मनु बहन ने पूरे दिन की डायरी लिखी, लेकिन एक जगह लिख दिया,' सफाई वगैरा की।'

गांधी जी प्रतिदिन डायरी पढ़ कर उसे पर अपने हस्ताक्षर करते थे आज की डायरी पर हस्ताक्षर करते हुए गांधी जी ने लिखा कातने की गति का हिसाब किताब लिख जाए मन में आए विचार लिखे जाएँ जो - जो पढा हो,उसकी टिप्पणी लिखी जाए 'वगैरह' का उपयोग नहीं होना चाहिए डायरी में 'वगैरह' शब्द के लिए कोई स्थान नहीं है

जिसे जो पढ़ा है वह लिखा जाए ऐसा करने से पढा हुआ कितना पच गया यह मालूम हो जाएगा जो बातें हुई है वह वह लिखी जाए मनु ने अपनी गलती का अहसास किया और डायरी विधा की पवित्रता को समझा।

गांधी जी ने पुन: मनु से कहा कि-'डायरी लिखना आसान कार्य नहीं है!' यह इबादत करना है जैसी विधा है। हमें शुद्ध व सच्चे मन से प्रत्येक छोटी - बड़ी घटना को निष्पक्ष रूप से लिखना चाहिए, चाहे कोई बात हमारे विरुद्ध ही क्यों न जा रही हो। इसमें हममें सच्चाई स्वीकार करने की शक्ति प्राप्त होगी!'

Q1. निम्न में से स्त्रीलिंग शब्द नहीं है?

(a) डायरी

(b) शक्ति

(c) बहन

(d) गांधीजी

Q2. डायरी लिखना <u>आसान</u> कार्य नहीं है इसमें रेखांकित शब्द 'आसान' है?

(a) क्रिया विशेषण

(b) विशेषण

(c) सर्वनाम

(d) अव्यय

Q3. सच्चाई का संधि विच्छेद है?

(a) सच् + चाई

(b) सच + चाई

(c) सत् + चाई

(d) सत + चाई

Q4. 'प्रतिदिन' शब्द में कौन सा समास है?

(a) द्वंद समास

(b) अव्ययीभाव समास

(c) द्विगु समास

(d) तत्पुरुष समास

Q5. 'विचार' में इक प्रत्यय लगने पर शब्द बनेगा?

(a) वैचारीक

(b) विचारिक

(c) वेचारिक

(d) वैचारिक

निर्देश (direction)- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसमें से पूछे गए **(प्रश्न 6 -10)** का सही विकल्प चुनिए-

कमजोर विचारक तत्काल उत्तर की ओर दौड़ता हैl पर सोचने वाले बच्चे समय लेते हैं, सवाल पर विचार करते हैं l क्या यह अंतर केवल सोचने के कौशल के होने या न होने के कारण है एक ऐसा कौशल, जो केवल एक तकनीक और जिसे, अगर भाग्य ने साथ दिया तो, हम बुद्धि से बच्चों को सिखा सकते हैं क्या बच्चों को इस कौशल में प्रशिक्षित कर सकते हैं? मुझे भय की ऐसा नहीं हैl अच्छा विचार सोचने में इसलिए समय लगा सकते हैं क्योंकि वह अनिश्चय को सह सकता है वह इस बात को भी झेल सकता है कि वह कोई चीज नहीं जानता पर कमजोर विचारक को कुछ न जानने की कल्पना ही असहनीय लगती है क्या इस पूरे विश्लेषण से हम यही नहीं पाते कि असल में इन बच्चों में गलत होने का भय बैठा होता है बेशक यही भय है जो मोनिका जैसे बच्चों पर दबाव डालता है ठीक ऐसे ही

टीना भी दबाब महसूस करती है शायद मैं भी मोनिका अकेली नहीं है जो सही होना चाहती है और गलत होने से डरती है पर यहाँ शायद एक दूसरी असुरक्षा की भावना काम करती हैl यह असुरक्षा की भावना पैदा होती है सवाल के लिए कोई भी जवाब नहीं होने सेl

Q6. "कमजोर विचारक तत्काल उत्तर की ओर दौड़ता है" इस वाक्य में 'दौड़ता' रेखांकित पद है-

(a) भाववाचक संज्ञा, पुलिंग, एक वचन

(b) सकर्मक क्रिया, पुलिंग, एक वचन

(c) अकर्मक क्रिया, पुलिंग, एक वचन

(d) सकर्मक क्रिया, नपुंसक लिंग, एक वचन

Q7. 'प्रशिक्षित' शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय है?

(a) प्र, ईत

(b) प्र, क्षित

(c) प्र, इत

(d) प्र, त

Q8. 'वह गलत होने से.... डरती है' वाक्य में उचित क्रिया विशेषण शब्द आएगा?

(a) अचानक

(b) धीरे-धीरे

(c) बहुत

(d) तेज

Q9. 'शायद मैं भी l'वाक्य है?
(a) इच्छार्थक
(b) विधानवाचक
(c) संदेह वाचक
(d) संकेत वाचक

Q10. बुद्धि शब्द क्या है?
(a) संज्ञा
(b) सर्वनाम
(c) क्रिया
(d) विशेषण

Q11. शैक्षणिक निदान का प्रयोजन होता है?
(a) बालकों की उपलब्धि का परीक्षण करना
(b) उपचारी शिक्षण करना
(c) बालकों की शारीरिक कमियों की जानकारी प्राप्त करना
(d) उक्त सभी

Q12. उच्चारण सुधारने का कार्य किन कक्षाओं में करना चाहिए?
(a) प्रारंभिक
(b) माध्यमिक
(c) उच्च माध्यमिक
(d) उच्च कक्षाओं में

Q13. निम्न में से सही क्रम है?
(a) निष्पत्ति परीक्षण, उपचारात्मक शिक्षण, निदानात्मक परीक्षण
(b)निदानात्मक परीक्षण, उपचारात्मक शिक्षण, निष्पत्ति परीक्षण
(c)उपचारात्मक शिक्षण, निष्पत्ति परीक्षण, निदानात्मक परीक्षण
(d)निष्पत्ति परीक्षण, निदानात्मक परीक्षण, उपचारात्मक शिक्षण

Q14. सतत् एवं समग्र मूल्यांकन में निम्न का मूल्यांकन किया जाता है?
(a) शिक्षार्थी की शैक्षिक उपलब्धियों का सतत् रूप से मूल्यांकन किया जाता है
(b) छात्र के शारीरिक शिक्षा एवं योग के कौशल के आधारित पक्षों का परीक्षण किया जाता है
(c) छात्र के स्वास्थ्य से जुड़े पक्षों का सतत् एवं गुणात्मक आकलन किया जाता है
(d) उक्त सभी पक्षों का सतत् एवं समग्र मूल्यांकन किया जाता है

Q15. निम्न में से उपलब्धि परीक्षण निर्माण का चरण नहीं है?
(a) शैक्षणिक उद्देश्यों को लिखना
(b) छात्रों की कमियों के कारणों की जानकारी प्राप्त करना
(c) प्रश्न निर्माण करना
(d) समंकन योजना तैयार करना

Q16. डॉ. बी. एस. ब्लूम द्वारा दी गई मूल्यांकन प्रणाली (त्रि ध्रुवीय संरचना) के तत्व है -
(a) शिक्षण उद्देश्य- अधिगम अनुभव - मूल्यांकन
(b) शिक्षा के लक्ष्य- पुस्तक- मूल्यांकन
(c) शिक्षण उद्देश्य- पाठ्यक्रम- शिक्षण अनुभव
(d) उपरोक्त सभी

Q17. मूल्यांकन की वह प्रक्रिया जिसमें पता लगाया जाता है कि-
(a) शिक्षण उद्देश्य किस सीमा तक प्राप्त हुए
(b) विद्यार्थियों के व्यवहार परिवर्तन कितना हुआ
(c) अधिगम अनुभव कितने प्रभावी रहे
(d) उपरोक्त सभी

Q18. चाक बोर्ड के उपयोग हेतु असत्य कथन है?
(a) चॉक बोर्ड पर एक समान लिखना चाहिए
(b) चॉक बोर्ड पर सीधी पंक्ति में लिखना चाहिए
(c) चॉक बोर्ड पर दाएं कोने से लिखना प्रारंभ करना चाहिए
(d) चॉक बोर्ड को साफ करने हेतु कपड़े का प्रयोग करना चाहिए

Q19.' लिंग्वाफोन' कैसा शैक्षिक उपकरण है?
(a) दृश्य
(b) श्रव्य
(c) दृश्य- श्रव्य
(d) कोई नहीं

Q20. भाषा शिक्षण में अधिगम सामग्री के प्रयोग का क्या लक्ष्य है?
(a) अवधान को आकृष्ट करना
(b) शिक्षक के ज्ञान में स्पष्टता लाना
(c) बालक का अनुभव विस्तार करना
(d) महत्वपूर्ण प्रत्ययएवं विषयों में स्पष्टता लाना

Q21. भारत सरकार ने दूरदर्शन कार्यक्रम में शैक्षिक कार्यक्रम के प्रसारण के लिए प्राथमिकता प्रदान की है -
(a) वयस्को हेतु गैर - औपचारिक शिक्षा के लिए
(b) दूरदर्शन का अनौपचारिककेतर शिक्षा हेतु प्रयोग
(c) प्रारंभिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण के लिए
(d) उपरोक्त सभी

Q22. लिखित कार्य में त्रुटीयों का प्रकार होता है?
(a) मात्रा एवं वर्ण संबंधी अशुद्धियां
(b) व्याकरण के नियमों संबंधी दोष
(c) विराम चिन्हो का गलत प्रयोग
(d) उपरोक्त सभी

Q23. शिक्षक कौशलों के विकास के लिए व्यवस्था की जाती है?
(a) सूक्ष्म शिक्षण की
(b) टीम शिक्षण की
(c) इकाई योजना की
(d) विस्तृत पाठ योजना की

Q24. उच्चारण अभ्यास कब कराया जाता है?
(a) अनुकरण वाचन करते समय
(b) अनुकरण वाचन के बाद
(c) आदर्श वाचन करते समय
(d) आदर्श वाचन के बाद

Q25. नीचे दिए गए किस क्रमांक में शब्द - युग्म का सही अर्थ भेद है?
(a) तरणि - तरिणी = नौका और सूर्य
(b) अनल - अनिल= हवा और अग्नि
(c) मरीचि - मरीची = रश्मि और रवि
(d) शलील - सलील = स्वैरी और शिष्ट

Q26.रचना के आधार पर शब्दों के कितने भेद होते हैं?
(a) 3
(b) 4
(c) 2
(d) 5

Q27."दो या दो से अधिक शब्दों का समूह जो किसी वाक्य में प्रयुक्त होकर एक इकाई के रूप में कार्य करता है" वह कहलाता है?
(a) पद
(b) पदबंध
(c) विकारी शब्द
(d) अविकारी शब्द

Q28.निम्न विकल्पों में से उसे विकल्प का चयन करें जो दिए गए लोकोक्ति का सही अर्थ वाला विकल्प है?
अंधा क्या जाने बसंत बिहार
(a) मनचाही वस्तु प्राप्त होना
(b) अपने अधिकार का लाभ अपने लोगों को ही पहुंचाना
(c) जो वस्तु देखी ही नहीं गई उसका आनंद कैसे जाना जा सकता है
(d) भाग्यहीन को सुख नहीं मिलता

Q29.निम्न विकल्पों में से उसे विकल्प का चयन करें जो दिए गए मुहावरे का सही अर्थ वाला विकल्प है?
सात घाट का पानी पीना
(a) असमंजस की स्थिति होना
(b) विस्तृत अनुभव होना
(c) होश उड़ जाना
(d) भाग्यशाली होना

Q30. राजस्थानी संत दादू दयाल किस बोली क्षेत्र से संबंधित थे?
(a) मालवी
(b) मेवाती
(c) मारवाड़ी
(d) ढूंढाड़ी

Q31. निम्नलिखित में से कौन-सा समास तत्पुरुष समास का उदाहरण नहीं है?
(a) घुड़सवार
(b) जलज
(c) विद्युतचालित
(d) मातृभक्त

Q32. निम्नलिखित में से किस वाक्य में अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण का प्रयोग हुआ है?
(a) उसने कुछ किताबें खरीदीं।
(b) मैंने सवा लीटर दूध लिया।
(c) उन्होंने दो घंटे का समय दिया।
(d) रमेश ने आधा सेब खा लिया।

Q33. निम्नलिखित में से किस वाक्य में अल्पविराम (,) का सही प्रयोग हुआ है?

(a) राम मोहन सोहन और गीता स्कूल गए।

(b) राम, मोहन, सोहन और गीता स्कूल गए।

(c) राम मोहन, सोहन और गीता, स्कूल गए।

(d) राम मोहन सोहन, और गीता स्कूल गए।

Q34. यदि कोई व्यक्ति बहुत मुश्किल काम करने की कोशिश करे, तो उसके लिए कौन-सा मुहावरा सही होगा?

(a) हाथी के दाँत दिखाने के और, खाने के और

(b) हवा मे उड़ना

(c) नाकों चने चबाना

(d) राई का पहाड़ बनाना

Q35. "ओस चाटे प्यास नहीं बुझती" लोकोक्ति का सही अर्थ क्या है?

(a) दिखावे से काम नहीं चलता

(b) मेहनत करने से ही सफलता मिलती है

(c) पानी पीने से प्यास बुझती है

(d) खाना खाने से भूख मिटती है

Q36. सुरेंद्र" में कौन-सी संधि हुई है?

(a) यण संधि

(b) दीर्घ संधि

(c) गुण संधि

(d) अयादि संधि

Q37. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य संयुक्त वाक्य है?

(a) मैंने पुस्तक पढ़ी और फिर सो गया।

(b) सूरज पूर्व से निकलता है।

(c) जब वर्षा होगी, तब नदी में पानी आएगा।

(d) बच्चा खेल रहा है।

Q38. इनमें से कोनसा अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद नहीं है ?

(a) विधानवाचक वाक्य

(b) मिश्र वाक्य

(c) निषेधात्मक वाक्य

(d) प्रश्नवाचक वाक्य

Q39. इनमें से कौनसे स्थान पर मेवाती नहीं बोली जाती ?
(a) अलवर
(b) भरतपुर
(c) धौलपुर
(d) उदयपुर

Q40. अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद हैं-
(a) 5
(b) 7
(c) 4
(d) 8

Q41.सार्थक शब्दों की क्रमबद्धता से जब विचार या भाव की अभिव्यक्ति की जाती है तो उसे क्या कहते हैं?
(a) पद
(b) पदबंध
(c) वाक्य
(d) पद परिचय

Q42.निम्नलिखित वाक्य में कोष्टक में दिए गए शब्द का उपवाक्य का नाम बताइए
हरिश विद्यालय में मोहन और सोहन को बता रहा था (कि वह इस बार जयपुर घूमने जाएगा)
(a) संज्ञा उपवाक्य
(b) विशेषण उपवाक्य
(c) क्रिया- विशेषण उपवाक्य
(d) संकेतार्थक वाक्य

Q43. निम्न में विकल्पों में से उसे विकल्प का चयन कीजिए जो भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प नहीं है
(a) मर्दानगी
(b) बंधुता
(c) व्यक्तित्व
(d) प्रतिनिधि

Q44. निम्न विकल्पों में से मिश्र वाक्य को पहचानिए
(a) गांधी जी ने कहा कि सदा सत्य बोलो
(b) गांधी जी ने सदा सत्य बोलने को कहा
(c) सत्य बोलने का गांधी जी ने कहा
(d) गांधी जी ने कहा सदैव सत्य बोलो

Q45. निम्न विकल्पों में से उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए मुहावरे के अर्थ का सबसे अच्छा विकल्प है
परछाई न पड़ना
(a) मेल मिलना, अच्छे संबंध बनाना
(b) संबंध खत्म करना
(c) पहुंच न हो सकना
(d) सहारा लेना

Q46.निम्न विकल्पों में से उसे विकल्प का चयन करें जो दिए गए लोकोक्ति के अर्थ का सबसे अच्छा विकल्प है
नाक कटी पर घी तो चाटा
(a) लाभ के लिए निर्लज हो जाना
(b) बहाना करके अपना दोष छिपाना
(c) बुद्धिमान को सीख देना
(d) खाना किसी का गाना किसी का

Q47.निम्नलिखित विकल्पों में पदबंध को पहचानिए
(जंगल में नाच रहा मोर) बहुत सुंदर था
(a) संज्ञा पदबंध
(b) सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया पदबंद
(d) विशेषण पदबंध

Q48.निम्न विकल्पों में से वाक्य का भेद पहचानिए
मैं तुम्हारे घर नहीं आ पाऊंगा
(a) विधानार्थक वाक्य
(b) आज्ञार्थक वाक्य
(c) निषेधात्मक वाक्य
(d) प्रश्नार्थक वाक्य

Q49. निम्नलिखित में से विजय दान देथा की रचना है?
(a) पाथल और पीथल
(b) सैनानी
(c) बाता री फुलवारी
(d) बदली

Q50. सूर्यमल मिश्रण की रचना कौन सी है?
(a) वंश भास्कर
(b) वीर सतसई
(c) बलवंत विलास
(d) उपरोक्त सभी

Solutions

S1. Ans.(d)

Sol. गांधीजी स्त्रीलिंग शब्द नहीं है

स्त्रीलिंग शब्दों का उपयोग स्त्री जाति या स्त्रैण गुणों को व्यक्त करने के लिए किया जाता है।

"डायरी," "शक्ति," और "बहन" सभी स्त्रीलिंग शब्द हैं।

"गांधीजी" व्यक्तिवाचक संज्ञा है, और यह पुल्लिंग शब्द है।

जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग शब्द कहते हैं. जैसे - माता, बहन, यमुना, गंगा, कुरसी, छड़ी, नारी, बुआ, लड़की, लक्ष्मी, गाय आदि.

हिन्दी व्याकरण में शब्दों के दो भेद होते हैं, स्त्रीलिंग और पुल्लिंग.

जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उन्हें पुल्लिंग शब्द कहते हैं. जैसे, पिता, भाई, लड़का, पेड़, सिंह, शिव, हनुमान, बैल.

लिंग की पहचान करने के लिए, शब्दों के रूप में बदलाव की जांच करनी होती है. हिन्दी में, स्त्रीलिंग के शब्दों में 'ई' या 'इ' की जोड़ का उपयोग होता है, जबकि पुरुष लिंग के शब्दों में 'अ' या 'आ' का उपयोग होता है.

S2. Ans.(b)

Sol.डायरी लिखना आसान कार्य नहीं है इसमें रेखाकित शब्द 'आसान' - विशेषण है

आसान" एक विशेषण है, क्योंकि यह "कार्य" (संज्ञा) की विशेषता या गुण को व्यक्त करता है।

विशेषण वे शब्द होते हैं जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं।

उदाहरण में, "आसान" शब्द "कार्य" की सरलता को व्यक्त कर रहा है।

क्रिया विशेषण -

एक ऐसा शब्द है जो बताता है कि कोई क्रिया कैसे की जाती है। क्रिया विशेषण क्रिया , विशेषण या यहाँ तक कि पूरे खंड में बदलाव कर सकते हैं या विवरण जोड़ सकते हैं।

सर्वनाम-

या प्रोनाउन (Pronoun), वे शब्द होते हैं जिनका इस्तेमाल किसी संज्ञा या संज्ञा-समूह की जगह किया जाता है. वाक्य में संज्ञा के बदले में इस्तेमाल होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं. सर्वनाम के कुछ उदाहरण ये रहे:

मैं, तुम, तुम्हारा, आप, आपका, इस, उस, यह, वह, हम.

अव्यय -

जिन शब्दों में लिंग, वचन, पुरुष, कारक, काल इत्यादि के कारण कोई बदलाव नहीं होता, उन्हें अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं.

S3. Ans.(c)

Sol. सच्चाई का संधि विच्छेद होगा - सत् + चाई

सच्चाई ' शब्द में व्यंजन संधि है और इसका संधि विच्छेद 'सत् + चाई है.

व्यंजन संधि में, एक व्यंजन से दूसरे व्यंजन या स्वर के मेल से विकार उत्पन्न होता है. 'सच्चा' शब्द में 'सत्' के त् से परे 'चित' का च् होने से त् को च् होकर सच्चा रूप बनता है.

संधि विच्छेद के कुछ और उदाहरण: संसार = सम् + सार, संरक्षा = सम् + रक्षा, दिगम्बर = दिक् + अम्बर, सज्जन = सत् + जन.

S4. Ans.(b)

Sol. 'प्रतिदिन' शब्द में अव्ययीभाव समास है

'प्रतिदिन' शब्द में अव्ययीभाव समास है।

अव्ययीभाव समास वह समास होता है जिसमें पहला पद अव्यय (अपरिवर्तनीय शब्द) होता है, और समास के बाद पूरा पद भी अव्यय (क्रिया विशेषण) के रूप में कार्य करता है।

यहाँ "प्रति" (अव्यय) और "दिन" (संज्ञा) का समास हुआ है, और इसका अर्थ है "हर दिन"।

समस्त पद (समास के बाद) का अर्थ अव्यय होता है।

द्वन्द्व समास-

इस समास के दोनों पद प्रधान होते हैं एवं एक दूसरे के विलोम होते हैं। तथा विग्रह करने पर योजक या समुच्चय बोधक शब्दों का प्रयोग होता है। जैसे- माता-पिता, भाई-बहन, राजा-रानी, दु:ख-सुख, दिन-रात, राजा-प्रजा।

द्विगु समास -

जिस समास में पहला पद संख्यावाचक होता है, उसे द्विगु समास कहते हैं. द्विगु समास में समूह या समाहार का ज्ञान होता है. द्विगु समास के कुछ उदाहरण ये रहे:

चौराहा (चार राहों का समूह)

पंचवटी (पाँच वट-वृक्षों का समूह)

तत्पुरुष समास-

दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनने वाला एक समास है जिसमें उत्तर पद प्रधान होता है और पूर्व पद गौण होता है:

तत्पुरुष समास में दोनों पदों के बीच कारक का लोप होता है.

तत्पुरुष समास में विशेषणीय पद और मुख्य पद का संबंध एक निश्चित भावना को प्रकट करता है.

तत्पुरुष समास के कुछ उदाहरण:

युद्ध का क्षेत्र - युद्ध क्षेत्र

स्नान के लिए ग्रह – स्नानगृह

S5. Ans.(d)

Sol. 'विचार' में इक प्रत्यय लगने पर वैचारिक बनेगा

"विचार" शब्द में -इक प्रत्यय जुड़ने पर "वैचारिक" शब्द बनता है।

"वैचारिक" का अर्थ है "विचारों से संबंधित"।

यह शब्द किसी व्यक्ति, स्थिति या प्रक्रिया के विचार पक्ष को व्यक्त करता है।

S6. Ans.(c)

Sol. "कमजोर विचारक तत्काल उत्तर की ओर दौड़ता है" इस वाक्य में 'दौड़ता' रेखांकित पद है-अकर्मक क्रिया, पुलिंग, एक वचन

'दौड़ता' एक अकर्मक क्रिया है क्योंकि इसका क्रिया का प्रभाव किसी कर्म (वस्तु) पर नहीं पड़ता।

यह वाक्य में अकेले ही पूर्ण अर्थ देता है।

'दौड़ता' यहाँ पुलिंग और एकवचन में प्रयुक्त हुआ है, क्योंकि यह "कमजोर विचारक" (पुल्लिंग, एकवचन) के लिए प्रयुक्त हुआ है।

सकर्मक क्रिया -
जिस क्रिया के साथ कर्म होता है या कर्म होने की ज़रूरत होती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं. सकर्मक क्रिया में कर्म की प्रधानता होती है.
सकर्मक क्रिया के उदाहरणः वह खाना बनाता है, शीला ने सेब खाया, मोहन पानी पी रहा है, राम ने सांप को मारा.
सकर्मक क्रिया को पहचानने के लिए, वाक्य में कर्म की मौजूदगी की जांच की जाती है. इसके अलावा, सवाल पूछकर भी क्रिया का प्रकार पता लगाया जा सकता है.
क्रिया मुख्य रूप से दो तरह की होती हैं - सकर्मक और अकर्मक.
अकर्मक क्रिया -
जिस क्रिया के प्रयोग में कर्म की ज़रूरत नहीं होती, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं.
अकर्मक क्रिया के उदाहरणः
शीला हँसती है.
बच्चा रो रहा है.
राम हंसता है.
भाववाचक संज्ञा-
जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, धर्म, दोष, आकार, अवस्था या व्यापार आदि का बोध होता है, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं. भाववाचक संज्ञाएं अमूर्त होती हैं और इन्हें सीधे तौर पर इंद्रियों से नहीं देखा जा सकता.
भाववाचक संज्ञा के कुछ उदाहरण:
मिठास, खटास, धर्म, थकावट, जवानी, मोटापा, मित्रता, सुन्दरता, बचपन, परायापन.

S7. Ans.(c)
Sol. 'प्रशिक्षित' शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय है - प्र, इत
"प्रशिक्षित" शब्द में:
उपसर्ग: "प्र" (यह क्रिया के पहले जुड़कर उसका अर्थ बढ़ाता है)।
प्रत्यय: "इत" (यह क्रिया के अंत में जुड़कर विशेषता या गुण को व्यक्त करता है)।
मूल शब्द "शिक्ष" है, जिसमें "प्र" उपसर्ग और "इत" प्रत्यय जोड़ने से "प्रशिक्षित" बनता है, जिसका अर्थ है "शिक्षा प्राप्त या प्रशिक्षित।"

S8. Ans.(c)
Sol.'वह गलत होने से.....डरती है' वाक्य में उचित क्रिया विशेषण शब्द बहुत आएगा
इस वाक्य में क्रिया विशेषण उस डर की तीव्रता को व्यक्त करेगा।
"बहुत" डरती है – यह दर्शाता है कि डरने की मात्रा या स्तर अधिक है।
अन्य विकल्प (अचानक, धीरे-धीरे, तेज) इस संदर्भ में उपयुक्त नहीं हैं, क्योंकि वे समय या गति से संबंधित हैं।
क्रिया विशेषण - वह शब्द है जिससे क्रिया की विशेषता का पता चलता है। प्रायः इसका प्रयोग वाक्य में क्रिया से तुरंत पहले किया जाता है। यह अविकारी शब्द है अर्थात् इसमें लिंग, वचन, कारक, काल आदि के कारण कोई नहीं आता है। यह हमेशा अपने मूल रूप में प्रयुक्त होता है। जैसे- अब, जब, थोड़ा, तेज, जल्दी आदि।

S9. Ans.(c)
Sol. 'शायद मैं भी l'वाक्य - संदेह वाचक वाक्य है
"शायद" शब्द वाक्य में संदेह या अनिश्चितता को व्यक्त करता है।

"शायद मैं भी" का अर्थ है कि वक्ता को अपने कथन के सत्य या घटित होने के बारे में पूर्ण विश्वास नहीं है।
इस प्रकार, यह वाक्य संदेह वाचक वाक्य है।
संदेह वाचक वाक्य -
जिन वाक्यों में किसी काम के होने की संभावना का पता चलता है यानी कि काम होने या न होने को लेकर संदेह व्यक्त किया जाता है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं. इन वाक्यों में 'शायद', 'हो सकता है', 'संभवत' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है.
विधान वाचक वाक्य -
जिन वाक्यों में किसी क्रिया के करने या होने का सामान्य रूप बोध हो, उन्हें विधानवाचक वाक्य कहते हैं
उदाहरण - हिमालय भारत के उत्तर दिशा में स्थित है।
इच्छार्थक वाक्य -
वह वाक्य जिसमें इच्छा व्यक्त की जाती है, इच्छावाचक वाक्य कहलाते हैं।
उदाहरण -भगवान तुम्हें दीर्घायु करे।
संकेतवाचक वाक्य-
वे वाक्य होते हैं जिनमें एक क्रिया या दूसरी क्रिया पर पूरी तरह से निर्भरता होती है. इन वाक्यों के कुछ उदाहरण ये रहे:
यदि तुम मेहनत करोगे तो तुम्हे सफलता मिलेगी.
सड़क पर नियम से गाड़ी चलाओगे तो दुर्घटना नही होगी.

S10. Ans.(a)
Sol. बुद्धि शब्द संज्ञा है
बुद्धि भाववाचक संज्ञा है क्योंकि यह एक भाव को दर्शाती है
संज्ञा शब्द का मतलब है, किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव, गुण, या विचार का नाम: पशु (जाति), सुंदरता (गुण), जैसे (भाव), मोहन (व्यक्ति), दिल्ली (स्थान).
सर्वनाम-
स्थान पर किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं. सर्वनाम शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, 'सर्व' और 'नाम'. इसका मतलब है- सब का नाम. सर्वनाम का इस्तेमाल करने से वाक्यों में संज्ञा शब्दों की बार-बार पुनरावृत्ति नहीं होती. इससे भाषा सुंदर और प्रभावशाली बनती है.
क्रिया -
जिस शब्द से किसी काम का होना या करना पता चले, उसे क्रिया कहते हैं. क्रिया, वाक्य की आधारभूत इकाई है और भाषा को जीवंत बनाती है. क्रिया के कुछ उदाहरण ये हैं:
राम जाता है, छात्र पढ़ेगा, चलना, खाना, पीना, उठना.
क्रिया से जुड़ी कुछ और बातें:
क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं.
मूल धातु में 'ना' लगाने से क्रिया का सामान्य रूप बनता है. जैसे- पढ़, मूल धातु है और इसमें 'ना' प्रत्यय लगने से 'पढ़ना' क्रिया का सामान्य रूप हो गया.
कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं - सकर्मक क्रिया और अकर्मक क्रिया.
विशेषण-
शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं. विशेषण, क्रिया के बाद या जिस संज्ञा को संशोधित करता है, उससे पहले आते हैं. विशेषण के कुछ उदाहरण ये हैं:
बड़ा, काला, लंबा, दयालु, भारी, सुंदर, कायर, टेढ़ा-मेढ़ा, एक, दो.
विशेषण के चार भेद होते हैं: गुणवाचक, परिमाणवाचक, संख्यावाचक, सार्वनामिक.

S11. Ans.(b)

Sol. शैक्षणिक निदान का प्रयोजन होता है- उपचारी शिक्षण प्रदान करना

शैक्षणिक निदान का मकसद, छात्रों की सीखने में आने वाली चुनौतियों की पहचान करना होता है. इसके ज़रिए, छात्रों की कमज़ोरियां, क्षमताएं, और सीखने में आने वाली दिक्कतों का पता चलता है. शैक्षणिक निदान से जुड़ी कुछ और बातें:

शैक्षणिक निदान, छात्रों को उनके काम में गलत धारणाओं को समझने और उन्हें ठीक करने में मदद करता है.

शैक्षणिक निदान के ज़रिए, छात्रों की सीखने की क्षमता और शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन किया जाता है.

शैक्षणिक निदान के ज़रिए, छात्रों की सीखने में आने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिए उपचारात्मक शिक्षण दिया जाता है.

शैक्षणिक निदान के ज़रिए, छात्रों को अपनी सीखने की यात्रा में आने वाली चुनौतियों को समझने में मदद मिलती है.

S12. Ans.(a)

Sol. उच्चारण सुधारने का कार्य प्रारंभिक कक्षा में करना चाहिए

अतः स्पष्ठ है उच्चारण सुधारने का कार्य प्रारंभिक कक्षाओं में करना चाहिए। नोट: अन्य तीनों विकल्पों में वर्णित कक्षाओं तक आते आते बच्चे शुद्ध उच्चारण ज्ञान से परिपूर्ण हो जाते हैं क्योंकि प्रारंभिक कक्षाओं में ही उच्चारण संबंधी दोषों को दूर कर दिया जाता है।

S13. Ans.(d)

Sol. निम्न में से सही क्रम है -निष्पत्ति परीक्षण, निदानात्मक परीक्षण, उपचारात्मक शिक्षण

निष्पत्ति परीक्षण-

किसी व्यक्ति की प्रदर्शन या निष्पत्ति बुद्धि को मापने के लिए किया जाने वाला परीक्षण है. यह परीक्षण आम तौर पर व्यक्तिगत रूप से आयोजित किया जाता है. इस परीक्षण के ज़रिए, परीक्षक को यह पता चलता है कि परीक्षार्थी ने परीक्षा में क्या गलती की है और उसे काम पूरा करने में कितना समय लगा.

निदानात्मक आकलन-

एक प्रकार का परीक्षण है जो छात्रों के ज्ञान की गहराई का निदान करता है और गलत धारणाओं को स्पष्ट करता है, ताकि शिक्षकों को पता चले कि उन्हें पाठ्यक्रम से कौन से विषय पढ़ाने (या फिर से पढ़ाने) की आवश्यकता है।

उपचारात्मक शिक्षा-

(जिसे विकासात्मक शिक्षा, बुनियादी कौशल शिक्षा, प्रतिपूरक शिक्षा, प्रारंभिक शिक्षा और अकादमिक उन्नयन के रूप में भी जाना जाता है) छात्रों को साक्षरता और संख्यात्मकता जैसे मुख्य शैक्षणिक कौशल में अपेक्षित दक्षता हासिल करने में सहायता करने के लिए सौंपी जाती है।

S14. Ans.(d)

Sol. सतत् एवं समग्र मूल्यांकन में मूल्यांकन किया जाता है -उक्त सभी पक्षों का सतत् एवं समग्र मूल्यांकन किया जाता है शिक्षार्थी की शैक्षिक उपलब्धियों का सतत् रूप से मूल्यांकन किया जाता है

सतत् एवं समग्र मूल्यांकन -

- छात्र के शारीरिक शिक्षा एवं योग के कौशल के आधारित पक्षों का परीक्षण किया जाता है
- छात्र के स्वास्थ्य से जुड़े पक्षों का सतत् एवं गुणात्मक आकलन किया जाता है
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) एक विद्यालय-आधारित मूल्यांकन प्रणाली है. यह छात्रों के विकास के सभी पहलुओं को शामिल करता है. यह छात्रों के विकास की प्रक्रिया को सतत रूप से मापता है.

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन से जुड़ी कुछ खास बातें:

- यह छात्रों के विकास के सभी पहलुओं को शामिल करता है.
- यह छात्रों के विकास की प्रक्रिया को सतत रूप से मापता है.
- यह छात्रों के विकास में योगदान देता है.
- यह छात्रों को जीवन कौशल सिखाता है.
- यह छात्रों में तनाव और चिंता को कम करता है.
- यह विद्यालय को छोड़ने की दर को कम करता है.
- यह छात्रों को अनुकूल वातावरण में पढ़ने में मदद करता है.
- यह छात्रों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है.

S15. Ans.(b)

Sol. उपलब्धि निर्माण का चरण नहीं है - छात्र की कमियों के कारणों की जानकारी प्राप्त करना

उपलब्धि परीक्षण एक प्रकार का मूल्यांकन परीक्षण है जो किसी व्यक्ति की किसी विशिष्ट क्षेत्र में सीखने या उपलब्धि को मापता है। यह आमतौर पर एक मानकीकृत परीक्षण होता है जिसे किसी दिए गए ग्रेड स्तर या पाठ्यक्रम में सीखे गए कौशल और ज्ञान को मापने के लिए विकसित किया जाता है।

उपलब्धि परीक्षण निर्माण के चरण -

1.स्वरूप योजना (नीतिगत निर्णय) बनाना

2.शैक्षणिक उद्देश्यों को लिखना

3.कार्य योजना (ब्लू प्रिंट) निर्माण

4.ब्लू प्रिंट आधारित प्रश्न पत्र निर्माण

S16. Ans.(a)

Sol. डॉ. बी. एस. ब्लूम द्वारा दी गई मूल्यांकन प्रणाली (त्रि ध्रुवीय संरचना) के तत्व है - शिक्षण उद्देश्य- अधिगम अनुभव - मूल्यांकन

शैक्षिक उद्देश्यों के वर्गीकरण को ब्लूम का वर्गीकरण कहते हैं. इसे शैक्षिक मनोवैज्ञानिक डॉ. बेंजामिन ब्लूम ने 1956 में विकसित किया था. इस वर्गीकरण के मुताबिक, शैक्षिक उद्देश्यों को तीन सीखने के डोमेन में बांटा गया है: संज्ञानात्मक (ज्ञान), भावात्मक (रवैया), मनोप्रेरक (कौशल).

संज्ञानात्मक डोमेन को छह प्रमुख श्रेणियों में बांटा गया है:

ज्ञान, समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण, संश्लेषण, मूल्यांकन.

ब्लूम के वर्गीकरण का इस्तेमाल करने वाले शिक्षकों का मकसद, छात्रों में उच्च-क्रम के विचारों को बढ़ावा देना होता है. इसके लिए वे छात्रों में निम्न-स्तरीय संज्ञानात्मक कौशल विकसित करते हैं

S17. Ans.(d)

Sol. मूल्यांकन प्रक्रिया जिसमें पता लगाया जाता है - उपरोक्त सभी उद्देश्यों की प्राप्ति हुई कि नहीं

शिक्षण उद्देश्य किस सीमा तक प्राप्त हुए

विद्यार्थियों के व्यवहार परिवर्तन कितना हुआ

अधिगम अनुभव कितने प्रभावी रहे

मूल्यांकन प्रक्रिया में, इन बातों का पता चलता है-

छात्रों के व्यवहार में स्कूल की तरफ़ से लाए गए बदलाव

छात्रों के विकास की सीमा
विकास में आने वाली बाधाएं
कार्य प्रक्रियाओं, परिणामों, और अनुभवों का मूल्य और प्रभावशीलता
छात्रों के निर्णय, शैक्षिक स्थिति, या उपलब्धि के मूल्य
मूल्यांकन एक सतत प्रक्रिया है. यह ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण, और विश्वासों को मापने योग्य शब्दों में दर्ज करने की प्रक्रिया है. मूल्यांकन - का मकसद सुधार करना होता है. मूल्यांकन प्रक्रिया में, सूचना को व्यवस्थित और विधिवत तरीके से इकट्ठा, क्रमबद्ध, और आंका जाता है.

S18. Ans.(c)
Sol.चाक बोर्ड के उपयोग हेतु असत्य कथन है-चॉक बोर्ड पर दाएं कोने से लिखना प्रारंभ करना चाहिए
चॉकबोर्ड का इस्तेमाल करने के निर्देश -
चॉकबोर्ड पर लिखने से पहले, यह सुनिश्चित करें कि चॉकबोर्ड पर अच्छी रोशनी हो.
चॉकबोर्ड पर लिखने के लिए, सफ़ेद चाक की छड़ी को ऊपर-नीचे चलाएं.
चॉकबोर्ड पर लिखते समय, पूरी सतह को कवर करें.
चॉकबोर्ड पर लिखने के बाद, साइड-टू-साइड गति में प्रक्रिया को दोहराएं.
चॉकबोर्ड पर लिखे गए चाक को मिटाने के लिए, चॉकबोर्ड इरेज़र या मुलायम सूती कपड़े का इस्तेमाल करें.
चॉकबोर्ड पर लिखे गए चाक को मिटाने के लिए, एक तरफ़ से शुरू करें और लंबे स्ट्रोक का इस्तेमाल करें.
चॉकबोर्ड पर लिखे गए चाक को मिटाने के लिए, गोलाकार तरीके से काम न करें.
चॉकबोर्ड पर लिखे गए चाक को मिटाने के लिए, इरेज़र या कपड़े को बार-बार साफ़ करें या उसे साफ़ कपड़े से बदलें.
चॉकबोर्ड पर लिखते समय, क्षैतिज रेखाओं में सावधानी बरतें.

S19. Ans.(b)
Sol.' लिंग्वाफोन' श्रव्य शैक्षिक उपकरण है
लिंग्वाफ़ोन एक श्रव्य उपकरण है, जिसका इस्तेमाल शिक्षण में किया जाता है.
इसमें कोई भाषा ध्यान से सुनकर सीखी जा सकती है.
श्रव्य उपकरण का मतलब है, ऐसी अधिगम सहायक सामग्री जिसमें केवल कानों का इस्तेमाल करके शिक्षण को आसान बनाया जाता है.
लिंग्वाफ़ोन के अलावा, मौखिक प्रश्नोत्तर, रेडियो, टेपरिकार्डर, भाषा-प्रयोगशाला, आडियो कॉन्फ़ैसिंग, ग्रामोफ़ोन जैसे भी उपकरण श्रव्य उपकरण के उदाहरण हैं.

S20. Ans.(d)
Sol. भाषा शिक्षण में अधिगम सामग्री के प्रयोग का लक्ष्य है- महत्वपूर्ण प्रत्यय एवं विषयों में स्पष्टता लाना
भाषा शिक्षण में अधिगम सामग्री का इस्तेमाल करने के लक्ष्य -
छात्रों को सीखने के अनुभव को बेहतर बनाना
सीखने की प्रक्रिया को रोचक और आनंददायक बनाना
छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करना
छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करना
छात्रों को अपनी अवधारणाओं को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में सक्षम बनाना
छात्रों को जटिल विषयों को आसानी से समझने में मदद करना

S21. Ans.(d)

Sol.भारत सरकार ने दूरदर्शन कार्यक्रम में शैक्षिक कार्यक्रम के प्रसारण के लिए प्राथमिकता प्रदान की है - उपरोक्त सभी को वयस्को हेतु गैर - औपचारिक शिक्षा के लिए

दूरदर्शन का अनौपचारिककेतर शिक्षा हेतु प्रयोग

प्रारंभिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण के लिए

भारत सरकार के दूरदर्शन कार्यक्रमों में शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए ज्ञान दर्शन चैनल को प्राथमिकता दी जाती है:

ज्ञान दर्शन (GD) चैनल, दूरदर्शन का एक शैक्षिक टेलीविज़न चैनल है. इसकी स्थापना 26 जनवरी, 2000 को राष्ट्रीय शैक्षिक और विकासात्मक चैनल के रूप में हुई थी.

यह चैनल, दूरदर्शन, केंद्र, और इग्नू से प्रसारित होता है.

इसके अलावा, दूरदर्शन पर 'स्वयं प्रभा' नाम का एक समूह भी है, जिसमें 32 शैक्षिक डीटीएच चैनल हैं. ये चैनल 24 घंटे, 7 दिनों तक शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं.

दूरदर्शन के कुछ और मुख्य उद्देश्य हैं:

सामाजिक संदेशन

मनोरंजन

सूचना

सरकारी नीतियों का प्रसारण

S22. Ans.(d)

Sol. लिखित कार्य में त्रुटीयों का प्रकार होता है- उपरोक्त सभी

- मात्रा एवं वर्ण संबंधी अशुद्धियां
- व्याकरण के नियमों संबंधी दोष
- विराम चिन्हो का गलत प्रयोग
- लिख्त कार्य में होने वाली त्रुटियां हैं-
- हिन्दी लेखन में होने वाली त्रुटियां
- मात्रा, अर्द्ध विराम, अल्प विराम, संयुक्त व्यंजन, द्वित्व व्यंजन, शिरोरेख से जुड़ी त्रुटियां
- लेखन की आम त्रुटियां

व्याकरण, वर्तनी, विराम चिह्न, टाइपो लेखांकन की त्रुटियां -

परीक्षण संतुलन त्रुटियां, लिपिकीय त्रुटियां, सिद्धांत की त्रुटियां, मूल प्रविष्टि की त्रुटियां, दोहराव की त्रुटियां, चूक की त्रुटियां, कमीशन की त्रुटियां, प्रविष्टि उलटने की त्रुटियां, क्षतिपूर्ति त्रुटियां

अकादमिक लेखन में होने वाली त्रुटियां-

व्याकरण और विराम चिह्न, सामग्री और स्रोत उद्धरण

S23. Ans.(a)

Sol. शिक्षक कौशलों के विकास के लिए सूक्ष्म शिक्षण की व्यवस्था की जाती है

सूक्ष्म शिक्षण, शिक्षकों को शिक्षण कौशल विकसित करने में मदद करने वाली एक तकनीक है:

इसमें शिक्षक, छात्रों के एक छोटे समूह को थोड़े समय के लिए एक छोटा पाठ पढ़ाता है.

इस तकनीक में, शिक्षक किसी खास शिक्षण कौशल पर ध्यान केंद्रित करता है. जैसे कि, अधिष्ठापन, पूछताछ, या ब्लैकबोर्ड लेखन.

सूक्ष्म शिक्षण में, शिक्षक अपने शिक्षण सत्र की रिकॉर्डिंग की समीक्षा करता है और साथियों या छात्रों से प्रतिक्रिया लेता है. इस तकनीक से शिक्षकों को शिक्षण के मुख्य कौशल विकसित करने में मदद मिलती है.
सूक्ष्म शिक्षण में, शिक्षक वास्तविक समय के शिक्षण अनुभवों को बढ़ावा देता है.
सूक्ष्म शिक्षण में, शिक्षक को कक्षा के आकार, समय, जटिलता, और गतिविधियों के संदर्भ में अवश्रेणीयन शिक्षण करना होता है.
सूक्ष्म शिक्षण में, शिक्षक तब तक कौशल का अभ्यास करता है जब तक कि वह अपने व्यवहार में पूर्णता प्राप्त नहीं कर लेता

S24. Ans.(b)
Sol. उच्चारण अभ्यास अनुकरण वचन के बाद कराया जाता है
जिस प्रकार से कोई शब्द बोला जाता है; या कोई भाषा बोली जाती है; या कोई व्यक्ति किसी शब्द को बोलता है; उसे उसका उच्चारण कहते हैं। भाषाविज्ञान में उच्चारण के शास्त्रीय अध्ययन को ध्वनिविज्ञान की संज्ञा दी जाती है। भाषा के उच्चारण की ओर तभी ध्यान जाता है जब उसमें कोई असाधारणतया होती है, जैसे
(क) बच्चों का हकलाकर या अशुद्ध बोलना- 1. नासिका (नाक); 2. ओष्ठ (ओठ); 3. दन्त; 4. तालु; 5.
(ख) विदेशी भाषा को ठीक न बोल सकना,
(ग) अपनी मातृभाषा के प्रभाव के कारण साहित्यिक भाषा के बोलने की शैली का प्रभावित होना, आदि

S25. Ans.(c)
Sol.नीचे दिए गए क्रमांक में शब्द- युग्म का सही अर्थ है - मरीचि - मरीची = रश्मि और रवि
सही शब्द युग्म -
तरणि = सूर्य, तरणी = नौका या नाव
अनल = अग्नि, अनिल = हवा
शलील = शिष्ट, सलील = स्वैरी या नदी
मरीचि = किरण / रश्मि
मरीची = चंद्रमा या सूर्य होता है

S26. Ans.(a)
Sol.रचना के आधार पर शब्दों के 3भेद होते हैं
शब्दों की रचना प्रक्रिया के आधार पर हिंदी भाषा के शब्दों के तीन भेद किए जाते हैं
1. रूढ शब्द
2. यौगिक शब्द
3. योगरूढ़ शब्द
रूढ़ शब्द - वे शब्द जो किसी व्यक्ति, स्थान,प्राणी और वस्तु के लिए वर्षों से प्रयुक्त होने के कारण किसी विशिष्ट अर्थ में प्रचलित हो गए हैं रूढ शब्द कहलाते हैं
यौगिक शब्द - वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों के योग से बने हैं उन शब्दों का अपना पृथक अर्थ भी होता है किंतु वह मिलकर अपने मूल शब्द से संबंधित या अन्य किसी ने अर्थ का भी बोध कराते हैं योग शब्द कहलाते हैं
योगरूढ़ शब्द -
वे योग शब्द जिनका निर्माण पृथक - पृथक अर्थ देने वाले शब्दों के योग से होता है किंतु वे अपने द्वारा प्रतिपादित अनेक अर्थों में से किसी एक विशेष अर्थ के लिए ही प्रतिपादित होकर रूढ़ हो गए हैं ऐसे शब्दों को योगरूढ़ शब्द कहते हैं
प्रयोग के आधार पर शब्दों के दो भेद होते हैं 1. विकारी 2. अविकारी या अवयव शब्द
उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के चार भेद होते हैं - 1. तत्सम शब्द 2. तद्भव शब्द 3. देशज शब्द
4. विदेशी शब्द

S27. Ans.(b)

Sol.दो या दो से अधिक शब्दों का समय जो किसी वाक्य में प्रयुक्त होकर एक इकाई के रूप में कार्य करता है पदबंध कहलाता है

पदबंध दो या दो से अधिक पद होते हैं

पदबंध में जो शब्द होते हैं वह वाक्य में एक इकाई कि तरह कार्य करते हैं

पदबंध के अंतर्गत जो शब्द प्रयोग होते हैं वह किसी एक पद के साथ जुड़े होते हैं

पदबंध के पांच भेद है -

1. संज्ञापदबंध
2. सर्वनाम पदबंद
3. विशेषण पदबंध
4. क्रिया पदबंध
5. क्रिया विशेषण पदबंध

पद -

पद से आशय जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे शब्द न कहकर पद कहा जाता है

अविकारी शब्द -

वे शब्द जिन पर लिंग, वचन, काल या कारक का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है अविकारी शब्द कहलाते हैं इन्हें अव्यय शब्द भी कहते हैं

अव्यय के चार भेद होते है - क्रिया विशेषण, समुच्चय बोधक, संबंध बोधक, विस्मयादिबोधक

विकारी शब्द -

जिन शब्दों में प्रयोगानुसार कुछ परिवर्तन में उत्पन्न होता है, वह विकारी शब्द कहलाते हैं

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि विकारी शब्द है

S28. Ans.(c)

Sol.अंधा क्या जाने बसंत विहार लोकोक्ति का सही अर्थ है जो वस्तु देखी ही नहीं गई उसका आनंद कैसे जाना जा सकता है

मनचाही वस्तु प्राप्त होने के लिए लोकोक्ति है -अंधा क्या चाहे दो आंख

अपने अधिकार का लाभ अपने लोगों को ही पहुंचना वाक्य के लिए लोकोक्ति है - अंधा बांटे रेवड़ी फिर- फिर अपनों को दे

भाग्यहीन को सुख नहीं मिलता वाक्य के लिए लोकोक्ति है - अंधा बगुला कीचड़ खाय

S29. Ans.(b)

Sol.सात घाट का पानी पीना मुहावरे का सही अर्थ वाला विकल्प है विस्तृत अनुभव होना

असमंजस की स्थिति होना के लिए मुहावरा है सांप छछूंदर की गति होना

होश उड़ जाना के लिए मुहावरा है - सिट्टी - पिट्टी गुम हो जाना

भाग्यशाली होना के लिए मुहावरा है सितारा चमकना

S30. Ans.(d)

Sol. राजस्थानी संत दादू दयाल ढूंढाडी बोली क्षेत्र से संबंधित है

ढूंढाड़ी राजस्थानी भाषा की एक बोली है जो पूर्वोत्तर राजस्थान के ढूंढाड़ क्षेत्र में बोली जाती है। ढूंढाड़ी बोलने वाले मुख्य रूप से तीन जिलों – जयपुर, करौली, डीग, सवाई माधोपुर, दौसाऔर टोंक में रहते हैं।

इस नाम की व्युत्पत्ति दो मतों के अनुसार हो सकती है। पहले मत के अनुसार माना जाता है कि ढूंढाड़ी का नाम ढूंढ या ढूंढकृति पहाड़ से लिया गया है जो कि जयपुर जिले के जोबनेर में स्थित है। दूसरी राय यह है कि यह है नाम ढूंढ नदी के नाम से लिया गया है जो ढूंढाड़ क्षेत्र में बहती है।

मालवी -

मालवी दक्षिणी राजस्थान की प्रतिनिधि बोली है

इसका विस्तार राजस्थान के झालावाड़ से मध्य प्रदेश के मालवा तक है

लंबे समय तक उज्जैन के आसपास का क्षेत्र मालव या मालवा नाम से प्रसिद्ध रहा इस कारण यहां की बोली मालवी कहलाती है

मालवी को बुंदेली और मारवाड़ी के बीच का पुल माना जाता है

मेवाती-

मेवाती बोली मव जाति के निवास स्थान मेवात क्षेत्र की बोली है

मेवात राजस्थान के उत्तर पूर्वी इलाके में बोली जाती है

यार राजस्थानी और पश्चिमी हिंदी के बीच सेतु की भूमिका निभाती है

मेवात की मिश्रित उपबोली अहिरवाटी है

मारवाड़ी-

राजस्थान की एक मुख्य भाषा है. यह राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में बोली जाती है. मारवाड़ी भाषा के बारे में कुछ खास बातें:

मारवाड़ी भाषा की शुरुआत 8वीं शताब्दी में मानी जाती है.

मारवाड़ी भाषा की मुख्य लिपि देवनागरी है.

मारवाड़ी भाषा की कई उप-बोलियां हैं. जैसे- मेवाड़ी, वागड़ी, शेखावाटी, बीकानेर, ढकी, थली, खैराड़ी, नागौरी, देवड़ापाड़ी, गौड़वाड़ी.

मारवाड़ी भाषा का साहित्य रूप डिंगल कहलाता है.

जैन साहित्य और मीरा के ज़्यादातर पद मारवाड़ी भाषा में ही लिखे गए हैं.

S31. Ans.(b)

Sol. "जलज" शब्द द्वंद्व समास का उदाहरण नहीं बल्कि **तत्पुरुष समास** का नहीं बल्कि **बहुव्रीहि समास** का उदाहरण है। इसमें "जल" (पानी) और "ज" (जन्मा) दो पद हैं, जिनका अर्थ है 'जो जल में जन्मा हो', यानी 'कमल'। बहुव्रीहि समास में समस्त पद का अर्थ किसी अन्य वस्तु को दर्शाता है और इसमें प्रधान पद कोई भी नहीं होता।

Information Booster:

1. समास का अर्थ है— दो या अधिक शब्दों का संक्षिप्त रूप में मिलकर एक नया शब्द बनाना।
2. तत्पुरुष समास में दूसरा पद प्रधान होता है।
3. बहुव्रीहि समास में समस्त पद का कोई एकल अर्थ नहीं निकलता, बल्कि वह किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति का बोध कराता है।
4. द्वंद्व समास में दोनों पद समान रूप से महत्वपूर्ण होते हैं, जैसे— माता-पिता।
5. कर्मधारय समास में विशेषण और विशेष्य का संबंध होता है, जैसे— नीलकमल।
6. समास विग्रह करने से स्पष्ट रूप से समास का प्रकार पहचाना जा सकता है।

Additional Knowledge:

(a) घुड़सावर (तत्पुरुष समास)- घुड़सवार' शब्द तत्पुरुष समास का उदाहरण है, जिसमें 'घुड़' (घोड़ा) और 'सवार' (जो सवारी करता है) दो पद हैं। इसका संधि-विच्छेद 'घोड़े पर सवार' होगा,

(c) विद्युतचालित (तत्पुरुष समास) – इस शब्द में "विद्युत" (बिजली) और "चालित" (चलने वाला) मिलकर "बिजली से चलने वाला" अर्थ प्रकट कर रहे हैं। यह भी तत्पुरुष समास का उदाहरण है।

(d) मातृभक्त (तत्पुरुष समास) – "मातृ" (माता) और "भक्त" (श्रद्धालु) से मिलकर बना यह शब्द 'मां के प्रति भक्ति रखने वाला' को दर्शाता है। यह भी तत्पुरुष समास का एक उदाहरण है।

S32. Ans.(a)

Sol. 'उसने कुछ किताबें खरीदीं' वाक्य में 'कुछ' शब्द अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण है क्योंकि यह यह नहीं बताता कि कितनी किताबें खरीदी गई हैं। अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण वे होते हैं जो मात्रा या संख्या का संकेत देते हैं लेकिन उसकी सटीक संख्या या परिमाण स्पष्ट नहीं करते। उदाहरण— 'कुछ लोग आए', 'थोड़ा इंतजार करो'।

Information Booster:

1. परिमाणबोधक विशेषण किसी वस्तु की मात्रा या परिमाण को दर्शाते हैं।
2. **अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण** वे होते हैं जिनमें वस्तु की सटीक मात्रा नहीं बताई जाती, जैसे **कुछ, थोड़ा, अधिक, ज्यादा**।
3. **निश्चित परिमाणबोधक विशेषण** वे होते हैं जो सटीक परिमाण बताते हैं, जैसे **सवा लीटर, दो घंटे, आधा किलो**।
4. अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण किसी वस्तु या संख्या की केवल **अनुमानित** मात्रा बताते हैं।

Additional Knowledge:

(b) मैंने सवा लीटर दूध लिया। (निश्चित परिमाणबोधक विशेषण) – यहाँ **'सवा लीटर'** स्पष्ट रूप से दूध की **सटीक मात्रा** बता रहा है। यह **निश्चित परिमाणबोधक विशेषण** का उदाहरण है।

(c) उन्होंने दो घंटे का समय दिया। (निश्चित परिमाणबोधक विशेषण) – इसमें **'दो घंटे'** सटीक समय अवधि को इंगित कर रहा है, इसलिए यह **निश्चित परिमाणबोधक विशेषण** है।

(d) रमेश ने आधा सेब खा लिया। (निश्चित परिमाणबोधक विशेषण) – यहाँ **'आधा'** स्पष्ट रूप से सेब के खाए गए हिस्से की **सटीक मात्रा** को दर्शा रहा है। अतः यह **निश्चित परिमाणबोधक विशेषण** है।

S33. Ans.(b)

Sol. अल्पविराम (,) का उपयोग वाक्य में समान श्रेणी के शब्दों या वाक्यांशों को अलग करने के लिए किया जाता है। विकल्प (b) "राम, मोहन, सोहन और गीता स्कूल गए।" में राम, मोहन और सोहन के बीच अल्पविराम का सही प्रयोग किया गया है, जबकि "और" के पहले अल्पविराम नहीं लगाया जाता, इसलिए यह सही उत्तर है।

Information Booster:

1. **अल्पविराम (,)** का उपयोग वाक्य के अंदर ठहराव या सूचीबद्ध शब्दों को अलग करने के लिए किया जाता है।
2. यदि वाक्य में **"और"** का प्रयोग किया गया हो, तो उससे पहले अल्पविराम नहीं लगाया जाता।
3. **गलत उदाहरण:** राम, मोहन, और सोहन स्कूल गए। (यहाँ "और" से पहले अल्पविराम नहीं आना चाहिए।)
4. **सही उदाहरण:** "रवि, श्याम, मोहन और राम अच्छे मित्र हैं।"
5. अल्पविराम का प्रयोग कभी-कभी वाक्य में अतिरिक्त जानकारी देने के लिए भी किया जाता है, जैसे— "दिल्ली, जो भारत की राजधानी है, ऐतिहासिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है।"
6. अल्पविराम वाक्य को स्पष्ट और सुगठित बनाने में मदद करता है।

S34. Ans.(c)

Sol. "नाकों चने चबाना" मुहावरे का अर्थ है "बहुत कठिनाई सहना" या "मुश्किल काम करना"। जब कोई व्यक्ति किसी कार्य को पूरा करने के लिए अत्यधिक परिश्रम और कठिनाइयों का सामना करता है, तो इस मुहावरे का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण:

- इस कठिन परीक्षा को पास करने के लिए **मुझे नाकों चने चबाने पड़े**।
- पर्वतारोहण के दौरान यात्रियों को **नाकों चने चबाने पड़े**।

Information Booster:

"नानी याद आना" – बहुत अधिक कठिनाई या परेशानी झेलना।

- **उदाहरण:** इस परीक्षा को पास करने के लिए उसे **नानी याद आ गई**।

"पसीना-पसीना होना" – अत्यधिक मेहनत करना या कठिन परिस्थितियों में आ जाना।

- **उदाहरण:** गर्मी में खेतों में काम करते हुए किसान **पसीना-पसीना हो गया**।

"छक्के छुड़ाना" – किसी को बहुत कठिनाई में डाल देना।

- **उदाहरण:** विपक्षी टीम ने इतनी तेज गेंदबाजी की कि बल्लेबाजों के **छक्के छूट गए**।

"खून-पसीना एक करना" – बहुत मेहनत करना।

- **उदाहरण:** अपने बच्चों के भविष्य के लिए माता-पिता **खून-पसीना एक कर देते हैं**।

Additional Knowledge:

(a) हाथी के दाँत दिखाने के और, खाने के और

अर्थ: इस मुहावरे का अर्थ है **"बाहर से कुछ और दिखना लेकिन वास्तविकता में कुछ और होना।"** यानी जब किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थिति का बाहरी स्वरूप आकर्षक हो, लेकिन वास्तविकता उससे बिल्कुल अलग हो।

उदाहरण:

नेताओं के वादे सिर्फ दिखाने के लिए होते हैं, **हाथी के दाँत दिखाने के और, खाने के और**।

बड़ी-बड़ी कंपनियों का विज्ञापन बहुत अच्छा होता है, लेकिन असलियत में उनकी सेवाएँ वैसी नहीं होतीं, **हाथी के दाँत दिखाने के और, खाने के और**।

संबंधित मुहावरे:

"ऊँची दुकान, फीका पकवान" – दिखावा अच्छा लेकिन असलियत में निराशाजनक।

"नाम बड़े और दर्शन छोटे" – प्रसिद्धि अधिक लेकिन गुण कम।

(b) हवा में उड़ना

अर्थ: इस मुहावरे का अर्थ है **"अहंकार करना, असंभव चीजों की कल्पना करना या किसी वास्तविकता से दूर रहना।"** जब कोई व्यक्ति बिना किसी ठोस आधार के अत्यधिक आत्मविश्वासी हो जाए, तब इस मुहावरे का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण:

सफलता के कुछ दिन बाद ही वह **हवा में उड़ने** लगा और दोस्तों से दूरी बना ली।

बिना तैयारी के परीक्षा में टॉप करने का सोचना **हवा में उड़ने** जैसा है।

संबंधित मुहावरे:

"गुलाबी सपने देखना" – हकीकत से दूर कल्पना करना।

"ख्याली पुलाव पकाना" – असंभव योजनाएँ बनाना।

(d) राई का पहाड़ बनाना

अर्थ: इस मुहावरे का अर्थ है "छोटी-छोटी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर बताना या बेवजह बड़ी समस्या बना देना।" जब कोई व्यक्ति किसी मामूली बात को बड़ा मुद्दा बना दे, तब इस मुहावरे का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण:

तुम छोटी-छोटी बातों को इतना क्यों बढ़ाते हो? राई का पहाड़ मत बनाओ।

किसी ने गलती से तुम्हारा नाम गलत ले लिया, इसमें राई का पहाड़ बनाने की क्या जरूरत है?

S35. Ans.(a)

Sol. "ओस चाटने से प्यास नहीं बुझती" लोकोक्ति का अर्थ है "सिर्फ दिखावे या बाहरी प्रयासों से असली समस्या हल नहीं होती।" इसका प्रयोग तब किया जाता है जब कोई व्यक्ति केवल सतही या दिखावटी प्रयास करता है, लेकिन असली मेहनत नहीं करता।

उद्धारण -

1. केवल योजनाएँ बनाने से कुछ नहीं होगा, असली काम करना होगा क्योंकि ओस चाटने से प्यास नहीं बुझती।
2. परीक्षा में सफल होने के लिए सिर्फ किताबें खरीदने से कुछ नहीं होगा, पढ़ाई करनी पड़ेगी, ओस चाटने से प्यास नहीं बुझती।

Information Booster:

1. लोकोक्तियाँ अनुभवजन्य कहावतें होती हैं, जिनका उपयोग किसी घटना या व्यवहार के लिए किया जाता है।
2. इस लोकोक्ति का उपयोग तब किया जाता है जब किसी व्यक्ति के कार्य व्यर्थ साबित हो रहे हों।
3. इसका अर्थ है कि केवल सतही प्रयास करने से वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं होता।
4. यह लोकोक्ति विशेष रूप से उन स्थितियों में प्रयुक्त होती है, जब किसी व्यक्ति को सच्ची मेहनत करने की आवश्यकता होती है।
5. **इसी अर्थ में प्रयोग होने वाली अन्य लोकोक्तियाँ:**
   - "ख्याली पुलाव पकाना" – केवल कल्पना करना, पर वास्तविक प्रयास न करना।
   - "दिखावे का प्यार" – सच्चे प्रयास के बिना झूठा प्रेम दिखाना।

Additional Knowledge :

(अन्य विकल्पों का अर्थ और उपयोग):

(b) मेहनत करने से ही सफलता मिलती है → इससे संबंधित लोकोक्तियाँ:

"मेहनत का फल मीठा होता है" – कड़ी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलता है।

"जैसा बोओगे, वैसा काटोगे" – कर्म के अनुसार ही फल मिलता है।

"रातोंरात कुछ नहीं होता" – हर चीज समय और मेहनत से ही मिलती है।

उदाहरण:

बिना पढ़ाई किए सफलता की उम्मीद मत करो, **मेहनत का फल मीठा होता है।**

(c) पानी पीने से प्यास बुझती है → इससे संबंधित लोकोक्तियाँ:

"भूखे पेट भजन न होय गोपाला" – जब तक बुनियादी जरूरतें पूरी न हों, तब तक दूसरा काम संभव नहीं।

"छोटी मछली बड़ी मछली का ग्रास बनती है" – कमजोर हमेशा ताकतवर का शिकार बनता है।

उदाहरण:

पहले खाना खा लो फिर पढ़ाई करना, **भूखे पेट भजन न होय गोपाला।**

(d) खाना खाने से भूख मिटती है → इससे संबंधित लोकोक्तियाँ:

"अन्न ही जीवन है" – भोजन ही जीविका का आधार है।

"खाली पेट न भजन होय" – बिना भोजन के कोई भी कार्य सही तरीके से नहीं हो सकता।

उदाहरण:

S36. Ans.(c)

Sol. "सुर + इंद्र = सुरेंद्र" में **गुण संधि** हुई है।

नियम:

गुण संधि तब होती है जब **अंतिम स्वर (अ, इ, उ) के बाद 'इ' या 'उ' ध्वनि वाला शब्द आए**, तो पहला स्वर गुण रूप में बदल जाता है।

संधि प्रक्रिया:

सुर + इंद्र → सुरेंद्र

- यहाँ **'इ' स्वर गुण रूप में 'ए' में परिवर्तित हो गया**।
- यही गुण संधि का नियम है।

अन्य उदाहरण:

- **नर + ईश = नरेश**
- **महा + ईश = महेश**
- **गिरि + ईश = गिरीश**

Information Booster:

1. गुण संधि में 'इ' और 'उ' ध्वनि गुण रूप में बदल जाती है।
2. 'इ' का गुण रूप 'ए' बनता है, और 'उ' का 'ओ' बनता है।
3. गुण संधि के अन्य उदाहरण:
   - भुव + इंद्र = भुवेंद्र
   - त्रिभु + उष = त्रिभोष
4. गुण संधि भाषा को अधिक सुगठित और प्रवाहमय बनाती है।

Additional Knowledge:

अन्य विकल्पों की व्याख्या:

(b) दीर्घ संधि:

जब दो समान स्वर (अ + अ, इ + इ, उ + उ) मिलते हैं, तो वे **दीर्घ रूप में बदल जाते हैं**।

उदाहरण:

- **संग्रहालय = संग्रह** + आलय
- **हिमालय = हिम** + आलय

(c) यण संधि:

जब इ, ई, उ, ऊ, ऋ ध्वनि वाले स्वर य, व, र में बदलते हैं, तो **यण संधि** होती है।

उदाहरण:

विद्या + अर्णव = विद्यर्णव (यण संधि)

नि + आय = न्याय

नि + आस = न्यास

(d) अयादि संधि:

जब 'इ' या 'उ' ध्वनि का स्वर **ए, ऐ, ओ, औ** में बदलता है, तो अयादि संधि होती है।

उदाहरण:

नदि + ईश = नद्येश

मति + ईश = मत्येश

S37. Ans.(a)

Sol. 'मैंने पुस्तक पढ़ी और फिर सो गया' संयुक्त वाक्य है ।

1. संयुक्त वाक्य – दो या दो से अधिक स्वतंत्र उपवाक्यों से मिलकर बनने वाला वाक्य संयुक्त वाक्य कहलाता है।
2. इनमें संयोजन के लिए 'और', 'पर', 'किंतु', 'लेकिन', 'अथवा', 'तथा' आदि संयोजक शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
3. संयुक्त वाक्य के उदाहरण:
   - "राम स्कूल गया और श्याम घर पर रहा।"
   - "मैंने परीक्षा दी किंतु परिणाम संतोषजनक नहीं रहा।"

Information booster:

रचना के आधार पर वाक्य के भेद:

रचना के आधार पर वाक्य के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं।

सरल वाक्य: जिस वाक्य में एक उद्देश्य, एक विधेय तथा एक ही मुख्य समापिका क्रिया होता है, उसे सरल या साधारण वाक्य कहते हैं। जैसे:

आदित्य पढ़ता है।अनीरूध ने भोजन किया।

संयुक्त वाक्य: जिस वाक्य में दो या अधिक सरल उपवाक्य किसी समानाधिकरण समुच्चय बोधक अव्यय से जुड़े हों, उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं। जैसे:

- वह सुबह गया और संध्या को लौट आया।रात हुई और चाँद खिला।
- इस वाक्य के चार प्रकार होते हैं:
- संयोजक संयुक्त वाक्य
- विभाजक संयुक्त वाक्य
- विरोध वाचक संयुक्त वाक्य
- परिणाम वाचक संयुक्त वाक्य

मिश्र/जटिल वाक्य: जिस वाक्य में एक मुख्य या प्रधान उपवाक्य हो और अन्य उपवाक्य उस पर आश्रित हों, उसे मिश्रित वाक्य कहते हैं। ये उपवाक्य व्यधिकरण समुच्चय बोधक अव्ययों से जुड़े होते हैं। जैसे:

ज्यों ही उसने दवा पी, वह सो गया।यदि परिश्रम करोगे, तो उत्तीर्ण हो जाओगे।

S38. Ans.(b)

Sol. वाक्य को मुख्यतः दो आधारों पर वर्गीकृत किया जाता है:

1. **रचना के आधार पर** – इसमें सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्य आते हैं।
2. **अर्थ के आधार पर** – इसमें विधानवाचक, प्रश्नवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक आदि वाक्य आते हैं।

मिश्र वाक्य रचना के आधार पर वाक्य का भेद है, जबकि **विधानवाचक, निषेधात्मक और प्रश्नवाचक** अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद हैं। इसलिए, **मिश्र वाक्य** अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद नहीं है।

Information Booster:

1. **विधानवाचक वाक्य** – जो किसी तथ्य या विचार की पुष्टि करता है। (जैसे: सूरज पूर्व से उगता है।)
2. **प्रश्नवाचक वाक्य** – जो किसी बात को जानने या पूछने के लिए प्रयुक्त होते हैं। (जैसे: तुम कहाँ जा रहे हो?)
3. **निषेधात्मक वाक्य** – जो किसी कार्य को न करने का संकेत देते हैं। (जैसे: यहाँ मत जाओ।)
4. **मिश्र वाक्य** – जिसमें प्रधान उपवाक्य और आश्रित उपवाक्य दोनों होते हैं। (जैसे: जब बारिश हुई, तब हम घर पर थे।)
5. **संयुक्त वाक्य** – दो या अधिक प्रधान उपवाक्यों से मिलकर बनता है। (जैसे: मैं पढ़ाई कर रहा था और मेरा भाई खेल रहा था।)
6. **सरल वाक्य** – जिसमें केवल एक उपवाक्य होता है। (जैसे: मैं स्कूल जाता हूँ।)

Additional Knowledge:

(A) विधानवाचक वाक्य:

यह वाक्य किसी सूचना या विचार को सामान्य रूप से व्यक्त करता है। ये दो प्रकार के होते हैं –

सकारात्मक विधानवाचक वाक्य: जो किसी तथ्य की पुष्टि करता है।

उदाहरण: पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।

नकारात्मक विधानवाचक वाक्य: जो किसी बात का निषेध करता है।

उदाहरण: यह मेरा घर नहीं है।

(C) निषेधात्मक वाक्य:

जो किसी क्रिया के निषेध को व्यक्त करता है।

उदाहरण: "तुम स्कूल मत जाओ।"

इसमें अक्सर "न", "मत", "कभी नहीं" आदि शब्द प्रयोग होते हैं।

(D) प्रश्नवाचक वाक्य:

जो प्रश्न पूछने के लिए प्रयुक्त होते हैं और अंत में प्रश्नवाचक चिह्न (?) आता है।

उदाहरण: "क्या तुमने अपना होमवर्क पूरा किया?"

S39. Ans.(d)

Sol. उदयपुर मे मेवाती भाषा नहीं बोली जाती ।

Information Booster:

1. **मेवाती भाषा** राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बोली जाती है।
2. यह **राजस्थान के अलवर, भरतपुर और धौलपुर जिलों में प्रमुख रूप से प्रचलित है।**
3. यह **राजस्थानी भाषा की एक उपभाषा** मानी जाती है।
4. उदयपुर क्षेत्र में **मेवाड़ी भाषा** बोली जाती है, न कि मेवाती।
5. मेवाती भाषा को **हरियाणवी, ब्रज भाषा और मारवाड़ी के प्रभाव वाली भाषा** माना जाता है।

Additional Knowledge:

(a) अलवर → मेवाती भाषा बोली जाती है

अलवर राजस्थान का एक जिला है, जहाँ मेवाती भाषा मुख्य रूप से बोली जाती है।

यहाँ की मेवाती संस्कृति प्रसिद्ध है और मेव समाज की प्रमुखता है।

(b) भरतपुर → मेवाती भाषा बोली जाती है

भरतपुर में ब्रज भाषा और मेवाती का मिश्रण देखने को मिलता है।

भरतपुर क्षेत्र में ब्रज संस्कृति और मेवाती बोलने वाले समुदाय रहते हैं।

(c) धौलपुर → मेवाती भाषा बोली जाती है

धौलपुर में भी ब्रज भाषा और मेवाती का प्रभाव पाया जाता है।

यहाँ के ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रज और मेवाती भाषा मिश्रित रूप में प्रचलित है

S40. Ans.(d)

Sol. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं:

1. **विधानवाचक वाक्य**: जिन वाक्यों से किसी कार्य के होने या करने की सामान्य सूचना मिलती है। उदाहरण: "सूर्य पूर्व से उगता है।"
2. **निषेधवाचक वाक्य**: जिन वाक्यों से किसी कार्य के न होने या निषेध का बोध होता है। उदाहरण: "राम स्कूल नहीं गया।"
3. **प्रश्नवाचक वाक्य**: जिन वाक्यों में प्रश्न पूछा जाता है। उदाहरण: "क्या तुमने खाना खाया?"

4. **विस्मयादिबोधक वाक्य**: जिन वाक्यों से आश्चर्य, शोक, हर्ष आदि भाव व्यक्त होते हैं। उदाहरण: "वाह! कितना सुंदर दृश्य है।"
5. **आज्ञावाचक वाक्य**: जिन वाक्यों से आज्ञा, आदेश या निवेदन प्रकट होता है। उदाहरण: "कृपया दरवाजा बंद करें।"
6. **इच्छावाचक वाक्य**: जिन वाक्यों से इच्छा, कामना या आशीर्वाद व्यक्त होता है। उदाहरण: "भगवान तुम्हारी रक्षा करे।"
7. **संदेहवाचक वाक्य**: जिन वाक्यों में संदेह या संभावना का बोध होता है। उदाहरण: "शायद वह आज आए।"
8. **संकेतवाचक वाक्य**: जिन वाक्यों में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर करता है। उदाहरण: "यदि वर्षा होगी, तो फसल अच्छी होगी।"

Information Booster :

रचना के आधार पर वाक्य के भेद: रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं:

- **सरल वाक्य**: जिसमें एक ही उद्देश्य (कर्ता) और एक ही विधेय (क्रिया) होता है। उदाहरण: "राम स्कूल जाता है।"
- **संयुक्त वाक्य**: जिसमें दो या दो से अधिक सरल वाक्य समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्ययों (जैसे: और, तथा, या) से जुड़े होते हैं। उदाहरण: "सीता गाना गाती है और गीता नृत्य करती है।"
- **मिश्र वाक्य**: जिसमें एक मुख्य वाक्य होता है और उसके साथ एक या अधिक उपवाक्य होते हैं, जो व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्ययों (जैसे: कि, जो, जब) से जुड़े होते हैं। उदाहरण: "जो लड़का खेल रहा है, वह मेरा भाई है।"

S41. Ans.(c)

Sol.सार्थक शब्दों की क्रमबद्धता से जब विचार या भाव की अभिव्यक्ति की जाती है तो उसे वाक्य कहते हैं

शब्दों के समूह को वाक्य कहते हैं

वाक्य के दो अंग होते हैं-

1. उद्देश्य

2. विधेय

पदबंध -

दो या दो से अधिक शब्दों का समूह जो किसी वाक्य में प्रयुक्त होकर एक इकाई के रूप में कार्य करता है पदबंध कहलाता है

पद -

वाक्य में प्रयुक्त सार्थक शब्दों को पद कहते हैं

पद परिचय-

वाक्य में प्रयुक्त सार्थक शब्दों को ही पद कहते हैं और उन शब्दों को व्याकरण के अनुसार परिचय देना ही पद परिचय कहलाता है

पद परिचय को पदानव्य या पद व्याख्या भी कहते हैं

S42. Ans.(a)

Sol.हरीश विद्यालय में मोहन और सोहन को बता रहा था (कि वह इस बार जयपुर घूमने जाएगा) कोष्ठक में दिए गए शब्द का उपवाक्य संज्ञा उपवाक्य है

संज्ञा उपवाक्य -

जब किसी आश्रित उपवाक्य का प्रयोग प्रधान वाक्य में आए किसी संज्ञा पद के स्थान पर होता है तो उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं

इस उपवाक्य का प्रारंभ प्राय: संयोजक पद 'कि' से होता है

उदाहरण- गांधी जी ने कहा (कि सदा सत्य बोलो)

विशेषण उपवाक्य -

जब कोई उपवाक्य जो प्रधान उपवाक्य में आए किसी संज्ञा या सर्वनाम पद की विशेषता बताता है उसे विशेषण उपवाक्य कहलाता है

विशेषण उपवाक्यों का आरंभ जो, जिसका, जिसकी, जिसके, जिन्हें, जिनका, जिनकी, जिनके से होता है

उदाहरण -आज विद्यालय में गुरुजी शर्मा जी के बारे में बता रहे थे जिनको सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान दिया है

क्रिया- विशेषण उपवाक्य -

वह आश्रित उपवाक्य जो प्रधान उपवाक्य में आए क्रिया पदों की विशेषता बताता है, क्रिया विशेषण उपवाकय कहलाता है

इन वाक्यों का आरंभ- यदि, जहां, जैसे, यद्यपि, क्योंकि, जब, तब आदि से शुरू होता है

उदाहरण- यदि राम परिश्रम करता तो अवश्य उत्तीर्ण होता

संकेतार्थक वाक्य -

जिस वाक्य में संकेत या शर्त का भाव प्रकट होता है, संकेतार्थक वाक्य कहलाता है

उदाहरण- मैं वहां जाऊंगा यदि तुम मेरे साथ चलोगे

S43. Ans.(d)

Sol. प्रतिनिधि शब्द भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प नहीं है

प्रतिनिधि जातिवाचक संज्ञा है

इससे बनी भाववाचक संज्ञा प्रतिनिधित्व होता है

मर्दानगी, बंधुता, व्यक्तित्व आदि भाववाचक संज्ञा है

भाववाचक संज्ञा-

वे संज्ञा पद जिसे गुण, दशा, अवस्था आदि का भावों का बोध होता है, भाववाचक संज्ञा कहलाती है

- भाववाचक संज्ञा ऐसी संज्ञा होती है जिन्हें देख या छू नहीं सकते
- भाववाचक संज्ञा को अनुभव किया जाता है
- भाववाचक संज्ञा के बहुवचन रूप में प्रयुक्त होती है तो वह जातिवाचक संज्ञा बन जाती है

जातिवाचक संज्ञा -

- जिन संज्ञा पदों से वस्तु, प्राणी या स्थान की समस्त जाति या वर्ग का बोध होता है वह जातिवाचक संज्ञा कहलाती है
- जैसे - आम, केला, जूही, गाय, बैल, भाई, बहन, चाचा आदि

S44. Ans.(a)

Sol.गांधी जी ने कहा कि सदा सत्य बोलो मिश्र वाक्य का उदाहरण है

मिश्र या मिश्रित वाक्य -

जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य तथा एक या एक से अधिक आश्रित उपवाक्य हो उसे मिश्र या मिश्रित वाक्य कहते है

प्रधान उपवाक्य - जो उपवाक्य प्रधान या मुख्य उद्देश्य और मुख्य विधेय से बना उसे 'प्रधान उपवाक्य' कहते हैं

उपर्युक्त वाक्य में गांधी जी ने कहा प्रधान उपवाक्य और जिसमें गांधी जी मुख्य उद्देश्य है तो कहां मुख्य विधेय

आश्रित उपवाक्य -

जो उपवाक्य प्रधान उपवाक्य के आश्रित रहते हैं उसे आश्रित उपवाक्य कहते हैं उपयुक्त वाक्य में 'कि' सदा सत्य बोलो आश्रित उपवाक्य है

आश्रित उपवाक्य के तीन भेद होते हैं

1. संज्ञा उपवाक्य
2. विशेषण उपवाक्य
3. क्रिया विशेषण उपवाक्य
जब किसी आश्रित उपवाक्य का प्रयोग प्रधान उपवाक्य में आए किसी संज्ञा पद के स्थान पर होता है तो उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं
इस का वाक्य का प्रारंभ प्राय: संयोजक पद 'कि' से होता है

S45. Ans.(c)
Sol. परछाई न पड़ना मुहावरे के अर्थ का सबसे अच्छा विकल्प है - पहुंच न हो सकना
मेल मिलना अच्छे संबंध बनाना के लिए मुहावरा है- पटरी बैठना
संबंध खत्म करना के लिए मुहावरा है- पत्ता काटना
सहारा लेने के लिए मुहावरा है- पल्ला पकड़ना

S46. Ans.(a)
Sol.नाक कटी पर घी तो चाटा लोकोक्ति के अर्थ का सबसे अच्छा विकल्प है - लाभ के लिए निर्लज हो जाना
वाक्य - लोकोक्ति
लाभ के लिए निर्लज हो जाना - नाक कटी पर घी तो चाटा
बहाना करके अपना दोष छुपाना - नाच न जाने आंगन टेढ़ा
बुद्धिमान को सीख देना - नानी के आगे ननिहाल की बातें
खाना किसी का गाना किसी का- नानी के टुकड़े खावे, दादी का पोता कहावे

S47. Ans.(a)
Sol. (जंगल में नाच रहा मोर) बहुत सुंदर था यह संज्ञा पदबंध का उदाहरण है
संज्ञा पदबंध-
दो या दो से अधिक पदों का वह समूह जो वाक्य में प्रयुक्त किसी संज्ञा पद के साथ मिलकर एक इकाई की तरह कार्य करता है संज्ञा पदबंध कहलाता है
सर्वनाम पदबंध -
दो या दो से अधिक पदों का वह समूह जो वाक्य में प्रयुक्त किसी सर्वनाम पद के साथ जुड़कर एक इकाई की तरह कार्य करता है सर्वनाम पदबंध कहलाता है
उदाहरण - (प्रतिदिन में देरी से आने वाले तुम) आज जल्दी कैसे आ गए
विशेषण पदबंध -
दो या दो से अधिक शब्दों का वह समूह में जो वाक्य में आए किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बतलाता है विशेषण पदबंध कहलाता है
उदाहरण- (दरवाजे पर खड़े) व्यक्ति को पिताजी जानते हैं
क्रिया पदबंध-
जिन वाक्यों में ऐसे क्रिया पदों का प्रयोग हो जिनका निर्माण दो या दो से अधिक भिन्न अर्थ वाले क्रिया शब्दों से मिलकर हुआ और वह क्रिया पदों का समूह एक इकाई के रूप में प्रयुक्त होता है तो उसे क्रिया पदबंध कहते हैं
उदाहरण - वह दोनों अभी उसके पीछे-पीछे चले गए थे

S48. Ans.(c)
Sol.मैं तुम्हारे घर नहीं आ पाऊंगा यह निषेधात्मक वाक्य का भेद है
निषेधात्मक वाक्य -
जिस वाक्य में किसी बात को न होने या किसी विषय के अभाव का बोध हो अर्थात नकारात्मक भाव का बोध हो निषेधात्मक वाक्य कहलाता है
उदाहरण- मेरे पास अधिक रुपए नहीं है
विधानार्थक वाक्य-
जिस वाक्य में किसी कार्य, क्रिया या बाद का सामान्य अर्थ में होना या करना बताया जाता है, विधानार्थक वाक्य कहलाता है
उदाहरण- भूपेंद्र खेलता है
आज्ञार्थक वाक्य -
जिस वाक्य में किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा आज्ञा, उपदेश, आदेश का भाव प्रकट हो आज्ञार्थक वाक्य कहलाता हैं
उदाहरण- तुम्हें प्रतिदिन जल्दी उठना चाहिए
प्रश्नार्थक वाक्य -
वह वाक्य जिसमें प्रश्नबोधक भाव निहित हो अर्थात किसी कार्य या विषय के बारे में प्रश्न पूछने या प्रश्न करने का बोध होता है प्रश्नार्थक वाक्य कहलाता है
उदाहरण - अब आपका स्वास्थ्य कैसा है?

S49. Ans.(c)
Sol. बाता री फुलवारी विजयदान देथा की रचना है
विजयदान देथा-
उन्हें बिज्जी के नाम से भी जाना जाता है. वे पद्म श्री पुरस्कार विजेता थे. उनकी सबसे प्रसिद्ध रचना बंता री फुलवारी है.
विजयदान देथा की कुछ प्रसिद्ध रचनाएं -
उषा (कविताएं, 1946),बापु के तीन हत्यारे (आलोचना, 1948)
साहित्य और समाज (निबंध, 1960),अनोखा पेड़ (सचित्र बच्चों की कहानियां, 1968),बातां री फुलवारी (पुस्तक),दुविधा (कहानी),चरणदास चोर (कहानी),हमारा उस्ताद (रचना), उजाले के मुसाहिब (कहानी)
कन्हैयालाल सेठिया-
चूरू ज़िले के सुजानगढ़ कस्बे में जन्मे थे. उनकी सबसे प्रसिद्ध रचनाएं पथल और पीठल हैं.
चंद्र सिंह - उन्होंने कह-मुकरानी और बदली जैसी रचनाएं लिखीं.
मेघराज मुकुल- उन्होंने काव्य सैनानी की रचना की

S50. Ans.(d)
Sol. सूर्यमल मिश्रण की रचना उपरोक्त सभी है
वंश भास्कर, वीर सतसई, बलवंत विलास
सूर्यमल मिश्र-
- बूंदी के शासक महाराव रामसिंह हाड़ा के दरबारी कवि थे.
- उन्हें आधुनिक राजस्थानी साहित्य का जनक माना जाता है.
- उनकी रचनाओं में वंश भास्कर, वीर सतसई, बलवंत विलास, और चांद मयूख शामिल हैं.